सुख के सब साथी ....

सुख के सब साथी, दुःख में न कोय
मेरे राम, तेरा नाम, एक साँचा, दूजा ना कोय

जीवन आनी जानी छाया – 2, झूठी माया झूठी काया – 2
फिर काहे को सारी उमरिया – 2, पाप की गठरी ढोय
सुख के सब साथी, दुःख में न कोय
मेरे राम, तेरा नाम, एक साँचा, दूजा ना कोय

ना कुछ तेरा ना कुछ मेरा – 2, ये जग जोगी वाला फेरा – 2
राजा हो या रंक सभी का– 2,अन्त एक सा होय
सुख के सब साथी, दुःख में न कोय
मेरे राम, तेरा नाम, एक साँचा, दूजा ना कोय

बाहर की तू माटी फांके – 2, मन के भीतर क्यूं ना झांके – 2
उजले तन पर मान किया और – 2, मन का मैल न धोए
सुख के सब साथी, दुःख में न कोय
मेरे राम, तेरा नाम, एक साँचा, दूजा ना कोय

पण्डित और मशालची, दोनों सूझत नांहि।
औरन को करै चांदना, आप अंधेरे मांहि।।